हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 13 अप्रैल 2026

13 इंसाफ की मांग पर अड़े दमकल कर्मी, पाचवें दिन भी सेवाएं ठप

14 27 करोड़ का पानी पी गए शहरवासी नहीं भरा बिल...

खबर संक्षेप

दादा पर चाकू से हमला और पोते के साथ मारपीट

फतेहाबाद। जिले के गांव फूलां में गेहूं की फसल कटवाने के दौरान हुए आपसी विवाद में दादा-पोते पर हमला करने का मामला सामने आया है। इस घटना में बुजुर्ग दादा पर चाकू से वार किया गया, जबकि उनके पोते के साथ मारपीट की गई। फतेहाबाद सदर थाना पुलिस ने रविवार को पीड़ित की शिकायत पर दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रक्तदान शिविर में 30 यूनिट रक्त एकत्रित

रतिया। गांव महमड़ा के जीवन ज्योति स्कूल में पहला रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस रक्तदान शिविर में करीब 30 लोगों ने रक्तदान किया। यह शिविर भक्त पुरखाराम मैमोरियल ट्रस्ट एवं जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के संयुक्त सहयोग से लगाया गया, जिसमें क्षेत्र के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मैनेजिंग डायरेक्टर खुशीराम ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए।

पुलिस ने डोडा पोस्त के साथ आरोपी पकड़ा

फतेहाबाद। नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सदर फतेहाबाद पुलिस ने गांव धांगड़ से एक व्यक्ति को भारी मात्रा में डोडा पोस्त के साथ काबू किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 किलो 160 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया है। थाना सदर प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान धांगड़ बस अड्डा क्षेत्र में मौजूद थी। इसी बीच गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की।

संदिग्ध व्यक्ति से 6 किलो डोडा पोस्त बरामद

फतेहाबाद। थाना जाखल पुलिस ने गश्त के दौरान एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 6 किलो 330 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया है। आरोपी नशीले पदार्थ की सप्लाई करने की फिराक में था। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश के अनुसार, पुलिस टीम जाखल बस अड्डा क्षेत्र में संदिग्धों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति पुलिस को देखकर घबरा गया और तेज कदमों से भागने की कोशिश करने लगा।

लाखों रुपये की हेरोइन सहित दो आरोपी काबू

सिरसा। पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्रों से दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रुपये की हेरोइन बरामद की है। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा प्रभारी ने रविवार को बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान सिरसा निवासी अनिल कुमार व गुरविंद्र सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान सिरसा के मेला ग्राउंड की तरफ जा रही थी। इस दौरान मेला ग्राउंड के नजदीक सामने से एक स्कूटी सवार युवक आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने शक के आधार पर युवक की तलाशी ली।

नमी का बहाना बनाकर खरीद से बच रहीं एजेंसियां

उठान ठप, मंडियां फुल, 22 लाख में से सिर्फ 5,185 क्विंटल की लिफ्टिंग

फतेहाबाद। नई अनाज मंडी में खुले आसमान के नीचे पड़ी गेहूं। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

मौसम साफ होते ही अनाज मंडियों में गेहूं की आवक ने रफ्तार पकड़ ली है, लेकिन खरीद और उठान की सुस्त प्रक्रिया ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जिले की मंडियों में हालात यह हैं कि जगह तक नहीं बची, जबकि खरीद एजेंसियां हाथ पर हाथ धरे बैठी हैं। जिले की 7 मंडियों और 44 खरीद केंद्रों पर रविवार तक 31,548 किसानों के गेट पास जारी किए जा चुके हैं। कुल 22 लाख 17 हजार 802 क्विंटल गेहूं मंडियों में पहुंच चुका है, लेकिन इसके मुकाबले खरीद महज 3 लाख 29 हजार 995 क्विंटल ही हुई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि लिफ्टिंग केवल 5,185 क्विंटल तक सिमटी हुई है, जिससे करीब 18 लाख 94 हजार 456 क्विंटल गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा है। जाखल और रतिया मंडियों में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। जाखल में पिछले दो दिनों से किसान आक्रोश में हैं, क्योंकि मंडी में गेहूं रखने तक की जगह नहीं बची। भूना मंडी में सबसे ज्यादा 5 लाख 74 हजार 442 क्विंटल गेहूं की आवक हुई है, जबकि रतिया में 4 लाख 46 हजार 550 क्विंटल गेहूं पहुंच चुका है। सरकार ने 1 अप्रैल से खरीद शुरू करने का दावा किया था, लेकिन खराब मौसम के चलते देरी हुई और अब जब आवक बढ़ी तो एजेंसियां खरीद से पीछे हटती नजर आ रही हैं। खरीद एजेंसियां गेहूं में 18 से 20 फीसदी नमी का हवाला देकर खरीद में रुचि नहीं दिखा रहीं, जबकि किसानों का कहना है कि यह सिर्फ बहाना है। जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती लगातार तीन दिन से खरीद प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दे रहे हैं, लेकिन एजेंसियों के अधिकारियों पर इसका कोई असर नहीं दिख रहा। इधर, मौसम विभाग द्वारा लगातार सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और संभावित बारिश की चेतावनी ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है। खुले में पड़ा लाखों क्विंटल गेहूं बारिश की मार झेल सकता है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

इन मंडियों में गेहूं की आवक

मंडी	गेहूं की आवक (क्विंटल)	गेहूं खरीद (क्विंटल)
फतेहाबाद	245376	56390
भट्टू	206758	11918
भुना	574442	7872
रतिया	446550	74630
टोहाना	423549	146285
जाखल	96737	7857
धारसूल	224390	25043
कुल	2217802	329995

धरातल पर पेश आ रहीं समस्याएं

- मंडियों में जगह खत्म, ट्रैक्टर ट्रॉलियां लाइन में
- खरीद एजेंसियां नमी का हवाला देकर टाल रही खरीद
- बारिश का खतरा, फसल खराब होने की आशंका
- प्रशासन के आदेशों का जमीनी स्तर पर असर नहीं

जिले में गेहूं खरीद के आंकड़े

- कुल आवक : 22,17,802 क्विंटल
- कुल खरीद : 3,29,995 क्विंटल
- कुल उठान : 5,185 क्विंटल
- खुले में पड़ा गेहूं : 18,94,456 क्विंटल

चांदपुरा खरीद केंद्र पर गेहूं से अटा किसानों को हो रही परेशानी

सरपंच बोले, पंचायत 5 एकड़ जमीन देने को तैयार

- राइस मिलों या खाली जगहों को अस्थायी खरीद केंद्र के रूप में इस्तेमाल करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले के जाखल मार्केट कमेटी के अंतर्गत आने वाले गांव चांदपुरा में स्थापित गेहूं खरीद केंद्र पर गेहूं की आवक तेज होने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र में जगह की कमी के कारण फसल उतारने और भंडारण में दिक्कतें आ रही हैं। इसे देखते हुए किसानों ने प्रशासन से तत्काल अस्थायी भंडारण की व्यवस्था करने की मांग की है। किसानों का कहना है कि अभी क्षेत्र में केवल 50 प्रतिशत गेहूं की कटाई हुई है, लेकिन खरीद केंद्र पहले से ही गेहूं से भर चुका है। किसानों ने मार्केट कमेटी सचिव से इस संबंध में अनुमति देने का आग्रह किया है, ताकि खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके। गांव चांदपुरा के सरपंच अमरीक सिंह ने कहा कि खरीद केंद्र पर तेज आवक के कारण जगह खाली नहीं बची है। उन्होंने यह भी कहा कि गांव में पंचायत की 5 एकड़ जमीन उपलब्ध है, जिसे पंचायत गेहूं उतारने के लिए देने को तैयार है।

पर्याप्त जगह उपलब्ध

वहीं, मार्केट कमेटी सचिव विकास कुमार ने बताया कि खरीद केंद्र पर पर्याप्त जगह उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि यदि पंचायत के पास जमीन है और वे उसे देना चाहते हैं, तो उन्हें लिखित में आवेदन देना होगा, जिसके बाद आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

खरीद शुरू न होने से आंदोलन की दी चेतावनी

भूना। गोरखपुर अनाज खरीद केंद्र पर गेहूं की खरीद शुरू न होने से किसानों और व्यापारियों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। केंद्र पर किसानों द्वारा करीब ढाई लाख क्विंटल से अधिक गेहूं के ढेर लगा दिए गए हैं, लेकिन अब तक एक भी दाने की सरकारी खरीद नहीं हो पाई है। इस स्थिति से परेशान किसानों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि सोमवार तक खरीद शुरू नहीं हुई तो मंगलवार को हिसार-भूना रोड जाम कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।किसान राजेंद्र सिंह, मानसिंह, कृष्ण कुमार, मुकेश कुमार, महेंद्र सिंह, सुभाष चंद्र और बलवीर सिंह सहित अन्य किसानों ने बताया कि सरकार के मंत्री और अधिकारी मंडियों का दौरा कर केवल औपचारिकता निभा रहे हैं। उनका आरोप है कि अधिकारी फोटो खिंचवाने तक सीमित हैं, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि मंडी में खरीद पूरी तरह ठप पड़ी है। किसानों का कहना है कि कई दिनों से गेहूं खुले में पड़ा है, जिससे उन्हें नुकसान का डर सता रहा है।किसानों ने मार्केट कमेटी के अधिकारियों पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि खरीद में देरी के नाम पर अनावश्यक शर्तें लगाई जा रही हैं, जैसे पंखा लगाने और छोटी-छोटी ढेरियां बनाने के लिए दबाव डाला जा रहा है।

सिरसा। सिरसा अनाज मंडी लगे गेहूं की ढेर। *फोटो: हरिभूमि*

डेटा ऑनलाइन न मिलने से किसान परेशान

सिरसा : मंडियों में गेहूं की आवक तेज, उठान धीमा

- प्रतिदिन 5 से 7 किसानों को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिला की अनाज मंडियों में गेहूं की आवक ने तेजी पकड़ ली है, लेकिन खरीद और उठान की धीमी प्रक्रिया किसानों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। रविवार को सरकारी खरीद बंद रहने के बावजूद किसान ट्रैक्टर-ट्रालियों में गेहूं लेकर मंडियों में पहुंचते रहे। मार्केट कमेटी की ओर से गेट पास जारी करने का कार्य जारी रहा, लेकिन ऑनलाइन पोर्टल में आ रही तकनीकी खामियों ने कई किसानों को मुश्किल में डाल दिया। मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण के बावजूद कई किसानों का डेटा गेट पास के समय ऑनलाइन नहीं दिख रहा है। प्रतिदिन 5 से 7 किसानों को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। फरवाई निवासी संदीप कुमार अपनी बुआ भागवंती की गेहूं लेकर मंडी पहुंचा, लेकिन डेटा ऑनलाइन न मिलने के कारण उसे गेट पास नहीं मिल सका। काफी देर तक अधिकारियों और कर्मचारियों के चक्कर काटने के बाद भी समाधान नहीं हुआ, जिसके चलते उसे मजबूरन दूसरे किसान के गेट पास से अपनी ट्रॉली की एंट्री करवानी पड़ी। इससे भविष्य में भुगतान में भी परेशानी की आशंका बनी हुई है। अब तक 28 लाख 74 हजार 953 क्विंटल गेहूं मंडियों में पहुंच चुका है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा मात्र 3 लाख 40 हजार 30 क्विंटल था। यानी इस बार अब तक 25 लाख 34 हजार 923 क्विंटल अधिक गेहूं आया है। इसके बावजूद खरीद की रफ्तार बेहद धीमी है और अब तक केवल 3 लाख 87 हजार 609 क्विंटल गेहूं की ही खरीद हो पाई है। सरकार द्वारा गेहूं का समर्थन मूल्य 2585 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है, लेकिन उठान की गति भी बेहद सुस्त है। अब तक केवल 7600 क्विंटल गेहूं का ही उठान हो पाया है।

नमी की शर्त बनी बाधा

मंडियों में खरीद प्रक्रिया सुचारू न होने का एक बड़ा कारण नमी की अधिकता भी है। सरकार ने गेहूं की नमी 12 प्रतिशत तय की है, जबकि किसानों द्वारा लाई जा रही फसल में नमी 14 से 16 प्रतिशत तक पाई जा रही है। ऐसे में किसान मंडी में ही फसल सुखाने को मजबूर हैं और अगले दिन नमी कम होने पर ही खरीद हो रही है। इस वजह से मंडियों में गेहूं की ढेरियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसके अलावा लेस्टर लॉस भी एक समस्या है। मंडियों में रिकॉर्ड आवक के बावजूद खरीद और उठान की धीमी रफ्तार, तकनीकी खामियां और नमी की समस्या मिलकर किसानों की परेशानी को बढ़ा रही हैं। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में हालात और अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

बेकाबू कार ने महिलाओं को मारी टक्कर, एक की मौत

- एनएच-9 पर स्थित गांव गिलाखेड़ा के पास हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

नेशनल हाईवे 9 पर स्थित गांव गिलाखेड़ा के पास एक तेज रफ्तार कार द्वारा दो महिलाओं को टक्कर मारने के मामले में सदर थाना पुलिस ने रविवार को आरोपी ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इस दर्दनाक हादसे में एक महिला की जान चली गई, जबकि दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल है। पुलिस कार नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश कर रही है। पुलिस को दिए बयान में गांव गिलाखेड़ा निवासी घायल मैना देवी ने बताया कि वह अपने पति साधुराम और पड़ोसी बनारसी देवी के साथ सिरसा के गांव सिकंदरपुर से आंखों की दवाई लेकर वापस लौट रही थीं। शाम के समय जब वे ऑटो से उतरकर गिलाखेड़ा कट के पास सड़क पार करने लगीं, तभी सिरसा की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

चालक पर एफआईआर

हादसे के तुरंत बाद मैना देवी के पति ने राहगीरों की मदद से एम्बुलेंस बुलाई और दोनों घायलों को फतेहाबाद के नागरिक अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुँचने पर डॉक्टरों ने बनारसी देवी को मृत घोषित कर दिया, जबकि मैना देवी के सिर और टांग में गंभीर चोटें होने के कारण उन्हें अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। सदर थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह ने बताया कि घायल महिला के बयान के आधार पर भिवानी नंबर की कार के चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस टीम आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए दबिश दे रही है।

घरों में तोता-कछुआ पालना है कानूनी अपराध

घायल उल्लू का रेस्क्यू, वन्य जीव संरक्षण कार्यकर्ता ने दी चेतावनी

- कानून के उल्लंघन पर हो सकती है 3 साल तक की जेल और भारी जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद में एक बीमार और घायल उल्लू के रेस्क्यू के बाद वन्य जीव संरक्षण का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। एसपीसीए सदस्य और सामाजिक कार्यकर्ता नवजोत सिंह ढिल्लों ने हाल ही में एक लाचार उल्लू को सुरक्षित बचाकर उसे प्राथमिक उपचार के बाद प्राकृतिक आवास में छोड़ा। इसी घटना का हवाला देते हुए उन्होंने आमजन को सख्त लहजे में सचेत किया है कि उल्लू, तोता और कछुआ जैसे वन्य जीवों को घरों में कैद रखना भारी पड़ सकता है। नवजोत सिंह ढिल्लों ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि एक उल्लू घायल अवस्था में जमीन पर गिरा है और उड़ नहीं पा रहा है। उन्होंने तुरंत मौके पर पहुंचकर उसका रेस्क्यू किया और प्राथमिक उपचार दिया। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद रात के समय उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया, जहां से वह खुले आसमान में उड़ गया। इस रेस्क्यू के बाद ढिल्लों ने लोगों से अपील की कि तोता, उल्लू, स्टार कछुआ या अन्य वन्य जीवों को शौक के लिए पिंजरे में पालना वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत गंभीर अपराध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कई लोग अनजाने में इन जीवों को घर ले आते हैं, लेकिन कानून के उल्लंघन पर 3 साल तक की जेल और भारी जुर्माना हो सकता है।

फतेहाबाद। बीमार अवस्था में मिले उल्लू के साथ सामाजिक कार्यकर्ता नवजोत सिंह ढिल्लो। *फोटो: हरिभूमि*

वन्य जीवों की अवैध बिक्री की सूचना देने की अपील

नवजोत ढिल्लो ने उन लोगों को राहत का विकल्प भी दिया जिन्होंने अनजाने में ऐसे जीव पाल रखे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति खुद आगे आकर इन जीवों को वन्यजीव विभाग को सौंपता है, तो उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये जीव पर्यावरण संतुलन के लिए जरूरी हैं, न कि घरों की सजावट के लिए। ढिल्लों ने जनता से आग्रह किया कि यदि कहीं भी वन्य जीवों की अवैध बिक्री या उन्हें कैद में रखने की जानकारी मिले, तो तुरंत विभाग को सूचित करें। उन्होंने कहा कि इन बेजुबानों को कैद से मुक्त कराकर उनके प्राकृतिक परिवेश में पहुँचाना ही सच्ची मानवता है। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में पक्षियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

लावारिस अस्थियों का किया विसर्जन

सिरसा। श्री नीलकंठ समाज सेवा ट्रस्ट द्वारा लावारिस अस्थियों के सम्मानजनक विसर्जन का कार्य किया गया। इससे पूर्व ट्रस्ट द्वारा सिरसा से 7 अस्थियां और फतेहाबाद से 16 अस्थियां एकत्र कर हरिद्वार के लिए जत्था रवाना किया गया। इस जत्थे ने हरिद्वार पहुंचकर गंगा में विधिपूर्वक इन अस्थियों का विसर्जन किया। ट्रस्ट के सदस्यों उन अस्थियों का पूरे विधिविधान से अंतिम संस्कार किया। सदस्यों ने कहा कि यह केवल एक सेवा नहीं, बल्कि उन आत्माओं के प्रति हमारी श्रद्धा और जिम्मेदारी है। इस मौके पर ट्रस्ट से जुड़े अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने एक सुर में संकल्प लिया कि भविष्य में भी ऐसे पुण्य के कार्यों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाया जाता रहेगा। इस मौके पर ट्रस्ट के संरक्षक अशोक सलूजा, वीणा मुंजाल, प्रधान राजेश फुटेला, कोषाध्यक्ष शुभकरन रातुसरिया, सहकोषाध्यक्ष राजेंद्र चावला, उपप्रधान लक्की मेहता, नरेश बब्बर, दीनदयाल कंदोई आदि मौजूद रहे।

वरुथिनी एकादशी 14 को, इस दिन भगवान विष्णु के मधुसूदन स्वरूप की पूजा करने का है विधान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व है और जब बात वरुथिनी एकादशी की हो तो इसका फल और भी बढ़ जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वरुथिनी एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति के समस्त पापों का नाश होता है और उसे सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वर्ष 2026 में वरुथिनी एकादशी की सही तिथि को लेकर उलझन की स्थिति बन रही है। पंचांग के अनुसार, वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरुथिनी एकादशी कहा जाता है। एकादशी तिथि 13 अप्रैल सोमवार को दोपहर 01:25 बजे से प्रारंभ होगी और इसका समापन 14 अप्रैल दिन मंगलवार को दोपहर 11:10 बजे को होगा। वरूथिनी एकादशी का व्रत 14 अप्रैल दिन मंगलवार को रखना ही फलदायी होगा। वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के मधुसूदन स्वरूप की पूजा की जाती है। 14 अप्रैल को पूजा के लिए सबसे उत्तम समय सुबह 05:58 से सुबह 10:45 तक रहेगा।

एकादशी के दिन ऐसे करें पूजा

श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा के अनुसार एकादशी के दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर पवित्र नदी या घर पर ही गंगाजल डालकर स्नान करें। स्वच्छ वस्त्र धारण कर भगवान विष्णु के समक्ष हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प लें। एक चौकी पर पीला कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। भगवान को पीले फूल, अक्षत, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें। वरुथिनी एकादशी पर खरबूजे का भोग लगाना अत्यंत शुभ माना जाता है। भगवान विष्णु की पूजा में तुलसी दल अवश्य शामिल करें।

भगवान विष्णु करते हैं हर संकट से रक्षा

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि जो भक्त इस दिन विधि-विधान से व्रत रखते हैं। भगवान विष्णु उनकी हर संकट से रक्षा करते हैं। इस व्रत का फल कन्यादान के फल के समान माना गया है। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन अन्न दान और जल दान का भी महत्व है।

पुलिस ने दो तस्कर किए गिरफ्तार

- पुलिस की नशा तस्करों पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की डबवाली यूनिट ने नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए सिरसा जिले क्षेत्र से दो तस्करों को गिरफ्तार कर चूरापोस्त व अफीम बरामद की है। डबवाली यूनिट इंचार्ज बनवारी लाल ने रविवार को बताया कि पकड़े गए तस्करों की पहचान गोबिंद व टहल सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि गांव लोहगढ़ क्षेत्र में बाइक सवार दो युवक नशा बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने क्षेत्र में नाकाबंदी कर वाहनों की तलाशी शुरू कर दी। इसी दौरान दो युवक आते दिखाई दिए।

सिरसा। पकड़े गए नशा तस्कर पुलिस गिरफ्त में। *फोटो: हरिभूमि*

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

लोक संस्कृति के स्तंभः मास्टर सतबीर सिंह

उनकी गायकी में न केवल शुद्धता थी, बल्कि पूर्ण जोश और होश का अद्भुत समन्वय भी देखने को मिलता था। उनकी गायन शैली अत्यंत प्रभावशाली और भावपूर्ण थी। उनके सुरों में सादगी, भावनाओं में गहराई और प्रस्तुति में सहजता दिखाई देती थी। वे रागनी, भजन और लोकगीतों को ऐसी आत्मीयता के साथ प्रस्तुत करते थे कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते थे।

उनका जीवन इस सत्य का प्रतीक है कि सच्चे कलाकार कभी मरते नहीं, वे अपने गीतों और अपने संस्कारों के माध्यम से सदैव जीवित रहते हैं। वर्तमान समय में मास्टर सतबीर सिंह की समृद्ध, गौरवशाली संगीत-परंपरा को उनके अनेक शिष्य पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

जयंती विशेष

रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की लोक संस्कृति सदियों से अपनी सादगी, वीरता, भक्ति और लोकजीवन की सहज अभिव्यक्ति के लिए प्रसिद्ध रही है। इस सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने वाले अनेक कलाकारों ने इसे जीवंत रखा है। उन्होंने अपने सुर, ताल और साज-बाज से इसे सहेजा है और जनमानस में इसका प्रचार-प्रसार किया है। लोकसंस्कृति के चितेरे ऐसे ही महान कलाकारों में मास्टर सतबीर सिंह का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने शिक्षक और गायक दोनों ही रूपों में समाज की सेवा की और हरियाणवी लोकसंस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया।

मास्टर सतबीर सिंह का जन्म 13 अप्रैल 1951 को हरियाणा के भैंसवाल गांव में एक सम्मानित एवं संस्कारी परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम पृथी सिंह एवं माता का नाम भरथो देवी था, दोनों ही बहुत धार्मिक और सांस्कृतिक प्रवृत्ति के थे। परिवार में आध्यात्मिकता, परंपरा और संस्कृति का वातावरण था, जिसका प्रभाव बालक सतबीर सिंह के व्यक्तित्व पर प्रारंभ से ही दिखाई देने लगा। यही कारण था कि बचपन से ही उनके भीतर संगीत, भजन और लोकसंस्कृति के प्रति गहरी रुचि पैदा हो गई। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक परिवेश से समृद्ध गांव भैंसवाल में समय-समय पर अनेक प्रतिष्ठित गायक, सांगी और भजनी अपनी मंडलियों के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करने आया करते थे। इस सजीव और सुरमयी वातावरण ने भी बालक सतबीर के कोमल मन पर गहरा प्रभाव डाला। इस प्रकार धीरे-धीरे उनकी हृदयतंत्री के तार झंकृत हो उठे। उनकी मनवीणा से सप्त-सुर फूट पड़े और वे संस्कृति के अनन्य उपासक बन गए। "जहां चाह, वहां राह" वाली उक्ति के अनुसार अब संगीत साधना को ही वे अपने जीवन का सर्वस्व मानने लगे। स्नातक पास करने के उपरांत वे सरकारी सेवा में पीटीआई के पद पर नियुक्त हुए। एक शिक्षक के रूप में उन्होंने विद्यार्थियों को केवल शारीरिक शिक्षा ही नहीं दी, बल्कि उनमें अनुशासन, संस्कार और देशप्रेम की भावना भी विकसित की। मास्टर सतबीर सिंह ने लोकसंस्कृति के मर्मज्ञ रामदत्त को अपना गुरु माना और उनसे लोकगायन की बारीकियां सीखी। गुरु-शिष्य परंपरा के इस संबंध ने उनके गायन को नई दिशा और गहराई प्रदान की। उन्होंने अपनी गायकी की शुरुआत वर्ष 1971 में हिसार की नील कॉलोनी में एक मंदिर निर्माण कार्यक्रम से की। यह उनके जीवन का पहला सार्वजनिक मंच था, जहां उन्होंने लगातार 11 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुति इतनी प्रभावशाली रही कि न केवल सभी कार्यक्रम अत्यंत सफल हुए, बल्कि उस मंदिर का अधूरा पड़ा निर्माण कार्य भी पूर्ण हो सका। इस घटना ने उनके भीतर आत्मविश्वास का संचार किया और यहीं से उनके सफल लोकगायन की यात्रा प्रारंभ हुई।

उनकी प्रतिभा को एक निर्णायक मोड़ तब मिला, जब कुराड़ (सोनीपत) में आयोजित एक प्रतियोगिता में कई प्रतिष्ठित गायकों के बीच प्रसिद्ध सांगी जयनारायण ने उन्हें प्रथम स्थान प्रदान किया, तब उन्हें स्वयं अपनी गायन क्षमता का वास्तविक आभास हुआ। यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत बना और उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी कला को निखारना जारी रखा। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उस दौर में महाशय पालेराम हलालपुरिया, राजकिशन अगवानपुरिया, जगबीर कारोरिया, बाऊराम, सत्ते, ब्रह्मानंद, चंदन, बाली शर्मा, रमेश कलावड़िया, रणबीर बड़वासणिया, राजेंद्र खरकिया, दयानन्द, बिल्लू (यू.पी.) जैसे अनेक नामी कलाकारों का हरियाणवी रागनी गायन के क्षेत्र में पदार्पण हो चुका था। ऐसे दिग्गजों के बीच मास्टर सतबीर सिंह ने अपने अद्वितीय गायन कौशल और प्रभावशाली अदायगी के बल पर एक विशिष्ट पहचान बनाई। इन सभी विख्यात कलाकारों के साथ उनके अनेक मुकाबले हुए, जिनमें उन्होंने अनेक बार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। अपनी कला में निपुण होने के परिणाम स्वरूप उन्हें राष्ट्रपति भवन में भी प्रोग्राम करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। महाशय पालेराम के साथ उनकी जोड़ी विशेष रूप से श्रोताओं के दिलों में घर कर गई थी। यह अद्भुत युगलबंदी लगभग चार दशकों तक मंचों पर निरंतर अपनी छटा बिखेरती रही। उस दौर में इस जोड़ी की लोकप्रियता अपने चरम पर थी। ग्रामीण परिवेश में लोग अपने पारिवारिक उत्सवों, विशेषकर विवाह जैसे शुभ अवसरों पर इनके कार्यक्रम को अत्यंत आवश्यक मानते थे। स्थिति यह थी कि यदि निर्धारित तिथि पर यह जोड़ी उपलब्ध न हो पाती, तो अनेक परिवार अपने आयोजन की तिथि तक बदल देते थे, ताकि इन दोनों प्रख्यात कलाकारों की शानदार संगीतमयी प्रस्तुति से उनका समारोह और भी भव्य बन सके। मास्टर सतबीर सिंह भैंसवालिया की विशेषता यह रही कि उन्होंने सदैव परंपरागत लोककवियों की रचनाओं को उन्हीं की बनाई, उसी मूल शैली और तर्ज में प्रस्तुत किया। वे अपने गायन में अधिकतर देसी तर्जों का ही प्रयोग करते थे। यद्यपि उन्होंने बाजे भक्त, मांगेराम, मेहरसिंह, दयाचंद, धनपत, आदि सभी प्रतिष्ठित कवियों की रचनाओं को अपना स्वर दिया लेकिन सूर्यकवि पंडित लखमीचंद की कविताई का उन पर सर्वाधिक प्रभाव था। उनकी गायकी में न केवल शुद्धता थी, बल्कि पूर्ण जोश और होश का अद्भुत समन्वय भी देखने को मिलता था। उनकी गायन शैली अत्यंत प्रभावशाली और भावपूर्ण थी। उनके सुरों में सादगी, भावनाओं में गहराई और प्रस्तुति में सहजता दिखाई देती थी। वे रागनी, भजन और लोकगीतों को ऐसी आत्मीयता के साथ प्रस्तुत करते थे कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते थे। वे मंच पर केवल मनोरंजन के लिए नहीं गाते थे बल्कि अपने गीतों के माध्यम से समाज को नैतिकता, धर्म और संस्कारों का संदेश भी देते थे। मास्टर सतबीर सिंह जीवन भर मर्यादा, संस्कार और धर्म के मार्ग पर चलते रहे। लोक गायन के मंच पर भी उन्होंने कभी अशालीनता या भद्देपन को स्थान नहीं दिया। उनका मानना था कि लोकसंगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि समाज को सही दिशा देने का माध्यम भी है। इसलिए वे अपनी रचनाओं और प्रस्तुतियों में सदैव नैतिकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को महत्व देते थे। यही कारण था कि वे अपने साथियों, शिष्यों और श्रोताओं के बीच अत्यंत सम्मानित एवं लोकप्रिय थे। हरियाणा की लोकसंस्कृति के संवर्धन एवं संरक्षण में उनके विशिष्ट योगदान को मान्यता देते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर मास्टर सतबीर सिंह को हरियाणा के माननीय राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके समर्पित सेवाकार्य पर शासन की आधिकारिक स्वीकृति का प्रतीक था। 18 जुलाई 2016 को हरियाणा की लोक संस्कृति को एक बड़ा आघात लगा, जब मास्टर सतबीर सिंह का निधन हो गया। लगभग 65 वर्ष की आयु में उन्होंने इस संसार से अंतिम विदा ली। उनके जाने से हरियाणवी लोकगायन की दुनिया में एक ऐसी रिक्तता उत्पन्न हो गई, जिसे भर पाना आसान नहीं है। मास्टर सतबीर सिंह के श्रद्धांजलि स्वरूप उनके शिष्य और प्रसिद्ध लोककवि सुखबीर सिंह बहलंबिया द्वारा रचित अग्रदत्त पंक्तियां, केवल शोकगीत नहीं बल्कि एक युग और लोकधारा के अवसान का भावपूर्ण चित्रण है-

अठारह जुलाई सन् सोलह को,
इसी नजर फिरी भगवान की।
सुबह–सुबह धड़कन बंद होगी,
हरियाणे की श्यान की।

मास्टर सतबीर सिंह भैंसवालिया केवल एक लोकगायक ही नहीं, बल्कि एक आदर्श शिक्षक, कुशल प्रशिक्षक और लोकसंस्कृति के सच्चे संरक्षक के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने गाँव में वर्षों तक अखाड़ा भी संचालित किया, जहाँ से कुश्ती के दाव-पेंच सिखाकर अनेक युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। दुनिया में भारत का नाम रोशन करने वाले ओलंपियन पहलवान योगेश्वर दत्त इसका जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने अपने सुरों और शब्दों के माध्यम से समाज को संस्कृति धर्म और मर्यादा का संदेश दिया। हरियाणा की सांस्कृतिक परंपरा में उनका नाम सदैव आदर और सम्मान के साथ लिया जाएगा। उनके द्वारा दी गई सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती रहेगी। उनका जीवन इस सत्य का प्रतीक है कि सच्चे कलाकार कभी मरते नहीं, वे अपने गीतों और अपने संस्कारों के माध्यम से सदैव जीवित रहते हैं। वर्तमान समय में मास्टर सतबीर सिंह की समृद्ध, गौरवशाली संगीत-परंपरा को उनके अनेक शिष्य पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। अंत में मास्टरजी के लिए यही कहना उपयुक्त होगा-बड़े गौर से सुन रहा था जमाना, तुम्हीं सो गए दास्तां कहते-कहते।

गजल

रामफल गौड़

पहलां आळे गाम रह्ये ना

पहलां आळे गाम रह्ये ना।
राह गोहरां के नाम रह्ये ना।

सौ मैं थेल्ला भरज्या करता,
चीज्जां के वैं दाम रह्ये ना।

करैं हैल्लो हाय, बाय-बाय,
राम सलाम कलाम रह्ये ना।

कुश्ती खाड़े जोर करैं थे,
दारे, चन्दगी राम रह्ये ना।

मौसम नैं बी पाळे बदले,
धूप अबर अर छाम रह्ये ना।

बाजे,ब्यास अर् लखमी साधु,
धनपत , मांगे राम रह्ये ना।

काळा, लील्ला, धोळा, भूरा,
बच्च्याँ के इब नाम रह्ये ना।

भर-भर बुगटे चाब्या करते,
ओह्ळ चणे हे राम रह्ये ना।

दुनियां हो सै आणी-जाणी,
लछमन, सीता,राम रह्ये ना।

राजे अर रजवाड़े उजड़े,
राजशाही निज़ाम रह्ये ना।

कैन्दू, कैम्ब, संभाळू, सीरस।
गुल्लर,हींस इब आम रह्ये ना।

सब कुछ हुया मशीन्नी केसर,
हात्थां आळे काम रह्ये ना।

रागिनी

डॉ. शील कुमार

गाम का चूल्हा

जब भी संकट आया सै, गामां नै राह दिखाई सै।
सीधी-सादी जीवन-शैली, सबकै मन नै भाई सै।।

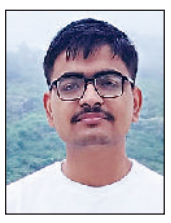

गैस सिलेंडर खातर, शहरां मैं लांबी लैन लगी।
इब क्यूकर होवै गुजारा,या महंगाई की मार घणी।
गामां मैं फेर लौट चलो, उडै कति नहीं महंगाई सै।।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

उड़ै देसी चुल्हा जलाकै, यो गैस का संकट मिट ज्यागा।
थोड़े से ईंधन मैं,उडै खीर-चुरमा बण ज्यागा।।
दूध,दही, घी शुद्ध मिलज्यागा, असली मिलै मलाई सै।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

माट्टी के चूल्हे मैं,जब धीमी-धीमी आग जलै।
लगैं रोटी मिश्री बरगी, और अमृत जैसा साग लगै।।
चूल्हा जोडै घर के रिश्ते,रूठे मनज्यां भाई सै।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

संकट नै अवसर मानकै,हम आगै कदम बढ़ावांगें।
गामां की धरती पै, हम नया इतिहास बणावांगें।।
परंपरा-विज्ञान जोड़कै, शील नै अलख जगाई सै।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

जब भी संकट आया सै, गामां नै राह दिखाई सै।
सीधी-सादी जीवन-शैली, सबकै मन नै भाई सै।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आस्था

1699 में इसी दिन गुरु गोविंद सिंह ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी

शौर्य, श्रद्धा और श्रम का महासंगम है वैशाखी

पर्व

अंकुर शर्मा

हरियाणा की धरती पर ऋतुओं का परिवर्तन केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के नए आयामों का उद्घाटन है। चैत्र मास की कोमलता, नवसंवत्सर की नवचेतना और नवरात्रों की शक्ति-साधना जब अपने चरम पर पहुंचती है, तब वैशाख का आगमन होता है। यह केवल एक नया मास नहीं, बल्कि श्रम, पुरुषार्थ और उपलब्धि का उत्सव है। इसी वैशाख संक्रांति का सर्वाधिक उज्ज्वल प्रतीक है वैशाखी। हरियाणा के कृषक जीवन में वैशाखी का विशेष महत्व है।

यह पर्व रबी की फसल, विशेषकर गेहूं की कटाई और उसकी सिद्धि का उत्सव है। महीनों की कठिन मेहनत, ठंडी हवाओं में जागी रातें और तपती धूप में किया गया श्रम इस दिन साकार रूप में सामने आता है। खेतों में लहलहाती सुनहरी बालियां जब हवा के साथ झूमती हैं, तो वह दृश्य केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं, बल्कि किसान के परिश्रम का जीवंत प्रमाण होता है। इस दिन पहली दरांती चलाने से पूर्व धरती माता और अन्नदेवता का विधिवत पूजन किया जाता है, जो भारतीय कृषि संस्कृति की गहरी आस्था को दर्शाता है।लोक-मानस में वैशाखी को समृद्धि और उल्लास का प्रतीक माना गया है। लंबे परिश्रम के बाद जब किसान की देहली पर अन्न और आर्थिक स्थिरता का आगमन होता है, तो उसके चेहरे पर संतोष और प्रसन्नता का भाव स्वतः झलक उठता है। यह पर्व उस श्रम-साधना का उत्सव है, जिसमें प्रकृति और पुरुषार्थ का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। वैशाखीका एक महत्वपूर्ण पक्ष हरियाणा की सामुदायिक

जीवन-पद्धति में निहित है। इस समय 'अंगा' या सामूहिक श्रम की परंपरा विशेष रूप से देखने को मिलती है। गांव के लोग आपसी सहयोग से एक-दूसरे की फसल काटने में जुट जाते हैं। यह सहयोग केवल कार्य की पूर्ति का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का सशक्त उदाहरण है। खेतों में काम करते समय जब श्रमिक वर्ग छाछ, लस्सी, प्याज और गुड़ के साथ अपनी थकान मिटाता है, तो उसमें श्रम की गरिमा और संतोष की अनुभूति स्पष्ट दिखाई देती है। वैशाखी का महत्व केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय इतिहास और आध्यात्मिक चेतना से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 1699 में इसी दिन गुरु गोविंद सिंह ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। यह घटना भारतीय समाज में साहस, समानता और आत्मसम्मान के नवजागरण का प्रतीक बनी। हरियाणा, जो सदैव वीरता और स्वाभिमान की भूमि रहा है, इस ऐतिहासिक विरासत को आज भी अपनी सांस्कृतिक चेतना में संजोए हुए है। वैशाखी के अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन, अरदास और सेवा का आयोजन इस आध्यात्मिक परंपरा को सजीव बनाए रखता है।इस पर्व का एक और जीवंत स्वरूप हरियाणा के मेलों और लोक-उत्सवों में देखने को मिलता है। विभिन्न स्थानों पर लगने वाले मेलों में लोकजीवन की रंगीन झलक दिखाई देती है। दंगल या कुश्ती प्रतियोगिताएं इन मेलों का मुख्य आकर्षण होती हैं। अखाड़े की मिट्टी में उतरते पहलवान केवल अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं करते, बल्कि वे उस परंपरा का निर्वाह करते हैं, जिसमें शरीर और आत्मबल दोनों का सम्मान निहित है। ढोल-नगाड़ों की थाप पर गूंजती हुंकारें हरियाणा के पौरुष और उत्साह का परिचायक होती हैं। लोक-नृत्यों और गीतों के माध्यम से भी वैशाखी का उल्लास अभिव्यक्त होता है। झूमर, फाग और अन्य पारंपरिक नृत्य-शैलियां ग्रामीण जीवन की सहजता और आनंद को प्रकट करती हैं। कहीं-कहीं पंजाब के प्रभाव से भांगड़ा की झलक भी देखने को मिलती है, जो इस उत्सव को और अधिक रंगीन बना देती है। मेलों में गन्ने का रस, गुड़ की मिठास और पारंपरिक व्यंजन इस पर्व की स्वादात्मक स्मृतियों को और भी मधुर बना देते हैं।फसल कटाई के पश्चात जब श्रम का दबाव कुछ कम होता है, तब हरियाणा के गांवों में सांस्कृतिक गतिविधियों का विस्तार होता है। 'सांग' या 'स्वांग' की लोक-नाट्य परंपरा इसी समय अधिक सक्रिय हो जाती है। खुले आकाश के नीचे, साधारण मंच पर प्रस्तुत ये लोक-नाट्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते, बल्कि वे लोक-इतिहास, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना के संवाहक होते हैं। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक संस्कृति के हस्तांतरण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वास्तव में वैशाखी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जीवन की उस यात्रा का उत्सव है, जिसमें भावना से उपलब्धि तक और साधना से सिद्धि तक का मार्ग प्रशस्त होता है। यह हमें सिखाती है कि श्रम ही समृद्धि का आधार है और सामूहिकता ही समाज की वास्तविक शक्ति। हरियाणा की माटी में रची-बसी यह परंपरा हमें संदेश देती है कि जब मनुष्य का पुरुषार्थ और प्रकृति की कृपा एक साथ मिलते हैं, तभी जीवन में वास्तविक आनंद और संतोष की प्राप्ति होती है। यही इस पर्व का शाश्वत सत्य और हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा का सार है।

जिंदगी में हार मानना विकल्प नहीं : आकांक्षा भारद्वाज

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी फीचर फिल्म 'दादा लखमी' में बेहद प्यारी-सी मासूम छोटी बहन का किरदार निभाने वाली आकांक्षा भारद्वाज क्षेत्रीय सिनेमा में उभरती हुई कलाकार हैं। गुरुग्राम अरावली शूट के दौरान आकांक्षा से बातचीत का अवसर मिला। वह मशहूर हरियाणवी एल्बम बांदी, राजेश बब्बर निर्देशित कांड 2010 वेबसीरीज़, यशपाल शर्मा निर्देशित 'दादा लखमी' के अलावा रावण, 1600 मीटर, धुंध, प्रेम नगर और सत्या जैसे प्रोजेक्ट में अपने अभिनय से सबको चकित कर चुकी हैं। वह अपने परिश्रम और कर्मठता से अभिनय के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। अभिनय के क्षेत्र में आकांक्षा का सफ़र आसान नहीं रहा। उनकी पत्रकार बहन ने उनके अंदर के कलाकार को पहचाना और अभिनय के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया। उसके निधन के बाद उन्होंने थियेटर जॉइन किया। एक थियेटर ही था, जिसने उन्हें संभाला और वहीं से उनके अभिनय की शुरुआत हुई। फिल्म दादा लख्मी से बड़े पर्दे पर उन्हें पहला मौका मिला और बॉलीवुड एक्टर डायरेक्टर यशपाल शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार के साथ काम करना उनके लिए प्रेरणादायक रहा।

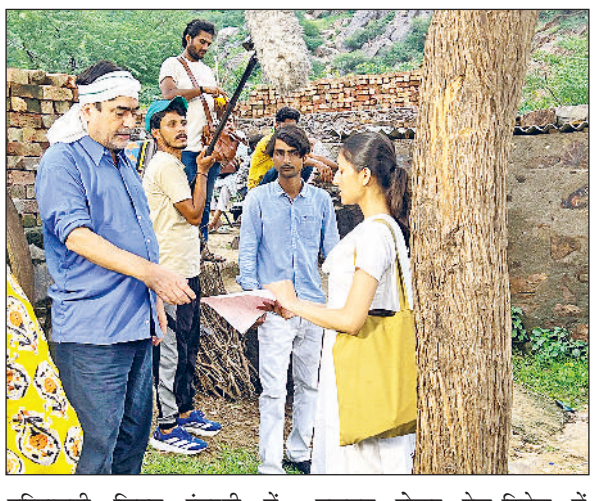

आकांक्षा की अभिनय यात्रा वर्ष 2018 से शुरू हुई थी। उनके अनुसार दीपा थियेटरिस्ट ने उन्हें पहली बार मंच पर बोलना सिखाया था। वह बताती हैं कि पिछले कुछ वर्षों में हरियाणवी फिल्म इंडस्ट्री में कहानी, तकनीक और गुणवत्ता के स्तर पर काफी सकारात्मक बदलाव आए हैं। दादा लख्मी जैसी फिल्मों ने हरियाणा की संस्कृति और इतिहास को सम्मानजनक तरीके से बड़े स्तर पर प्रस्तुत किया है। अब नए कलाकारों को अवसर मिल रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि हरियाणवी सिनेमा आगे और मजबूत होकर देश-विदेश में पहचान बनाएगा। छोटी सी उम्र में ही दादा लखमी फिल्म में अनेक दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में वह बताती हैं कि इस फिल्म में काम करना उनके लिए बेहद खास और सीखने वाला अनुभव रहा। इसी फिल्म के जरिए उन्हें पहली बार बड़े पर्दे पर खुद को देखने का मौका मिला, जो उनके लिए बहुत गर्व की बात थी। आकांक्षा हरियाणा में तो अनेक प्रोजेक्ट कर चुकी हैं लेकिन वह निश्चित रूप से बॉलीवुड में भी काम करना चाहती हैं। हर कलाकार की तरह उनका भी सपना है कि उन्हें बड़े स्तर पर काम करने का अवसर मिले और वह अपने अभिनय से व्यापक दर्शकों तक पहुंच सके। वह इसके लिए निरंतर प्रयासरत हैं और जब भी अवसर मिलता है, ऑडिशन देती रहती हैं। उनका मानना है कि मेहनत और धैर्य के साथ सही समय आने पर अच्छे अवसर जरूर मिलते हैं। फिलहाल उनका पूरा ध्यान अपने काम को ईमानदारी और पूरी लगन से करते रहने पर है। क्या अभिनय को प्रोफेशन बनाकर काम किया जा सकता है, जैसे प्रश्न पर आकांक्षा का मानना है कि अभिनय को निश्चित रूप से एक पेशे के रूप में अपनाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए बहुत धैर्य और अनवरत परिश्रम की जरूरत होती है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां सफलता तुरंत नहीं मिलती, इसलिए सबसे ज़रूरी है कि इंसान अपने धैर्य को बनाए रखे और अपने काम में लगातार मेहनत करता रहे। स्वयं उनके शब्दों में - अगर आपके अंदर सीखने की इच्छा है, अपने काम के प्रति ईमानदारी है और आप हर अनुभव से कुछ नया सीखते रहते हैं तो अभिनय को एक मजबूत और सम्मानजनक प्रोफेशन बनाया जा सकता है। आकांक्षा हरियाणा में आने वाले समय में अनेक संभावनाएं देखती हैं हरियाणा में अभिनय और एंटरटेनमेंट के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं, खासकर सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के कारण नए कलाकारों को पहचान मिल रही है। आज स्टेज एप, सुपवा तथा हरियाणवी कलाकारों की मेहनत और लगन से हरियाणा की भाषा और संस्कृति व फिल्मों को देश-विदेश में पहचान मिल रही है।

साबित करना है कि बेटियां किसी से कम नहीं होती

एक बेटी के रूप में आकांक्षा साबित करना चाहती हैं कि बेटियां किसी से कम नहीं हैं। हर चुनौती और हर अनुभव ने उन्हें यह सिखाया है कि अगर इरादा मजबूत हो, मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मुश्किल हमें रोक नहीं सकती। मैं अपनी कला के ज़रिए लोगों तक अपनी सोच, अपनी भावनाएं और अपनी मेहनत पहुंचाना चाहती हूं।

फायर कर्मचारियों की हड़ताल जारी, विधायक जरनैल सिंह ने दिया समर्थन

रतिया स्थित फायर विभाग के कार्यालय के बाहर धरना दिया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की

इंसाफ की मांग पर अड़े दमकल कर्मी, पांचवें दिन भी सेवाएं ठप

रतिया। विधायक जरनैल सिंह को मांग पत्र सौंपते फायर कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

विधानक ने इस बारे सीएम और संबंधित मंत्री विपुल गोयल से चर्चा करने का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

फरीदाबाद में हुई भीषण आगजनी की घटना के दौरान अपनी जान गंवाने वाले दो फायर कर्मियों के परिवारों को अब तक सरकारी नौकरी और उचित मुआवजा न मिलने के विरोध में दमकल विभाग के कर्मचारियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। रविवार को फायर कर्मचारियों की हड़ताल पांचवें दिन में प्रवेश कर गई, जिससे जिले भर में अग्निशमन सेवाएं प्रभावित रहीं। हड़ताल का असर फतेहाबाद, भट्टू, रतिया और टोहाना सहित पूरे जिले में देखने को मिला। फायर कर्मचारी संघ के जिला प्रधान रघुबीर सिंह के नेतृत्व में कर्मचारियों ने रतिया स्थित फायर विभाग के कार्यालय के बाहर धरना दिया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, वे पीछे नहीं हटेंगे।

आंदोलन को उस समय और मजबूती मिली जब रतिया से कांग्रेस विधायक जरनैल सिंह ने धरना स्थल पर पहुंचकर कर्मचारियों को अपना समर्थन दिया। कर्मचारियों ने विधायक को एक मांग पत्र सौंपा, जिसमें मृतक फायर कर्मियों के आश्रितों को सरकारी नौकरी और सम्मानजनक आर्थिक सहायता देने की मांग की गई है। विधायक जरनैल सिंह ने आश्वासन दिया कि वे इस गंभीर मुद्दे पर मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्री विपुल गोयल से चर्चा करेंगे और विधानसभा स्तर पर भी आवाज उठाकर समाधान का प्रयास करेंगे।

धरने पर बैठे कर्मचारी सतनाम और सुरेश ने अपना दुख साझा करते हुए कहा कि फरीदाबाद में आग बुझाने के दौरान दमकल कर्मियों ने अपनी जान की बाजी लगा दी, लेकिन सरकार ने उनके परिवारों की सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि फायर कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरों की रक्षा करते हैं, परंतु किसी अनहोनी की स्थिति में सरकार द्वारा हाथ खींच लेना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। विभाग के कर्मचारियों की मांग है कि सरकार तुरंत प्रभाव से मृतक परिवारों को वित्तीय सहायता और अन्य सुविधाएं प्रदान करे। कर्मचारियों ने कड़ी चेतावनी दी है कि हड़ताल के दौरान जिले में होने वाली किसी भी आगजनी की घटना के लिए वे जिम्मेदार नहीं होंगे और न ही बचाव कार्य में सहयोग करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने किसानों और आम जनता से अपील की है कि वे आपात स्थिति के लिए स्वयं प्रबंध रखें, क्योंकि सरकार की बेरुखी ने उन्हें इस कठोर कदम को उठाने के लिए मजबूर किया है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कृष्ण कुमार, रघुवीर सिंह, शैलेंद्र, सुरेश कुमार, संजय कुमार, सतवीर सिंह, सतनाम सिंह, सुन्दर लाल, मुकेश कुमार, अमित कुमार और कुलदीप सिंह सहित भारी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

किसान नेताओं ने दिया फायर कर्मचारियों के धरने को समर्थन

सिरसा। दुर्घटना का शिकार हुए कर्मचारियों को आर्थिक मदद व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी की मांग को लेकर अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों का संघर्ष लगातार जारी है। रविवार को किसान नेताओं व कई अन्य संगठनों ने धरने को समर्थन दिया, जिसमें लखविंद्र सिंह, अंग्रेज सिंह खारा, सुखदेव सिंह शामिल हं। इस मौके पर लखविंद्र सिंह ने कहा कि कर्मचारियों की लंबे समय से मांग को सरकार नजरअंदाज कर रही है। कर्मचारी वेतन सुधार, स्थायी नियुक्ति, बेहतर सुविधाएं और फरीदाबाद अग्निकांड में शहीद हुए साथियों को शहीद का दर्जा देने समेत अन्य मांग कर रहे हैं। किसान नेताओं ने कहा कि 16 फरवरी को फरीदाबाद के मुजेसर इलाके में हुए भयानक अग्निकांड और विस्फोट में दो दमकल कर्मी शहीद हो गए थे। इसके बावजूद शहीद कर्मियों के परिवारों को उचित मुआवजा नहीं दिया गया। पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए, इसके खिलाफ कर्मचारियों में गहरा रोष है। जिला प्रधान राजेश खिचड़ ने कहा कि कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर जनता की सेवा करते हैं, लेकिन सरकार उनसे सौतेला व्यवहार कर रही है। अब धैर्य की सीमा समाप्त हो चुकी है, न्याय नहीं तो काम नहीं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक कर्मचारियों की मांग को पूरा नहीं किया जाता, वे यहां पर धरनारत रहेंगे। इस मौके पर एसएस बेदी, मदन कंबोज, बलवंत सिंह सिरसा, बलराम, बलविंद्र सिंह, बलविंद्र लाल, प्रहलाद ढाका, केडी बणीवाला सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

सिरसा। फायर कर्मचारियों के धरने को समर्थन देते हुए किसान।

खबर संक्षेप

धूमधाम से मनाई जाएगी डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती: कश्मीर सिंह

सिरसा। डॉ. भीमराव अंबेडकर सभा की ओर से बेगू रोड स्थित अंबेडकर भवन में 14 अप्रेल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। कार्यक्रम में सिरसा लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगी। सभा के जिला उपप्रधान कश्मीर सिंह बताया कि कार्यक्रम के दौरान सांसद कुमारी सैलजा गरीब बच्चों के लिए बनाए जाने वाले 10 कमरों के छात्रावास का नींव पत्थर भी रखेंगी। सभा ने छात्रावास की मांग सांसद से कुछ समय पूर्व की थी, जिसे उन्होंने तुरंत स्वीकार किया। छात्रावास पूर्णतः निशुल्क रहेगा। कश्मीर सिंह ने बताया कि इससे पूर्व अंबेडकर भवन में जरूरतमंद बच्चों के लिए डिजीटल लाइब्रेरी बनी हुई है, जिसका बच्चों को लाभ मिल रहा है। इस मौके पर प्रधान आत्मप्रकाश, बलवंत सिंह, भूषण बरोड़, मांगेराम मांडिया, सुभाष मेहरा, राकेश बागोतिया, शेखर, धर्मेंद्र व भगवानदास मौजूद थे।

कॉलेज के छात्रों के लिए मेडिकल लीव के नियम जटिल, आइसा ने की स्पष्ट व्यवस्था की मांग

रतिया। इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन हरियाणा ने लॉ कॉलेजों के विद्यार्थियों की समस्याओं को देखते हुए कॉलेज प्रशासन और विश्वविद्यालयों से एक महत्वपूर्ण मांग की है। एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष रवि रतिया ने कहा कि विद्यार्थियों के हित में मेडिकल छुट्टी की एक स्पष्ट और मानवीय व्यवस्था तुरंत लागू की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि कई छात्र-छात्राएं गंभीर बीमारी या स्वास्थ्य संबंधी कारणों के चलते नियमित कक्षाओं में उपस्थित नहीं हो पाते। वर्तमान नियमों की जटिलता के कारण ?छात्रों की उपस्थिति कम हो जाती है व ?उन्हें परीक्षाओं में बैठने से रोक दिया जाता है जो विद्यार्थियों के भविष्य के साथ अन्याय है और उन पर मानसिक दबाव डालती है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि यदि कोई विद्यार्थी मान्यता प्राप्त डॉक्टर द्वारा जारी मेडिकल सर्टिफिकेट प्रस्तुत करता है, तो उसे अवकाश प्रदान किया जाए व मेडिकल के आधार पर उपस्थिति में उचित छूट देकर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाए। शिक्षा और स्वास्थ्य को मौलिक अधिकार मानते हुए प्रशासन जल्द से जल्द इस संबंध में स्पष्ट नियम जारी किए जाएं। रवि ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि विद्यार्थियों की इस जायज मांग पर जल्द ही सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आइसा हरियाणा राज्यभर में विद्यार्थियों को लामबंद कर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन शुरू करेगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम विषय पर हुआ व्याख्यान

सिरसा। राजकीय महाविद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में नारी शक्ति वंदन अधिनियम विषय पर एक शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। लोक प्रशासन विभाग के पवन कुमार एवं राजनीति विज्ञान के प्रमुख प्रवक्ता सीताराम ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, उनके संघर्ष तथा भारतीय संविधान निर्माण में उनकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपनाने तथा समाज में समानता एवं न्याय की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. नवीन कुमार मक्कड़ मौजूद रहे।

गुजवि विद्यार्थियों ने किया जेएसएल का भ्रमण

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर (पीडीयूआईआईसी) के तत्वावधान में जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल), हिसार का शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रक्रियाओं से जोड़ते हुए उनके सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना रहा। कार्यक्रम का आयोजन पीडीयूआईआईसी के निदेशक एवं सीएसई विभाग के अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश सांगवान के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

33% आरक्षण से बदलेगी राजनीति की तस्वीर

राजनीति में महिलाओं का बढ़ेगा प्रतिनिधित्व: सिंवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

■ महिला नेतृत्व बनेगा विकसित भारत-2047 की नींव

राजसेविका समिति की सेविका विमला सिंवर ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 से राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। अभी महिलाएं मतदान के साथ ही अन्य सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में लगातार आगे बढ़ रही हैं, लेकिन इनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम है। उन्होंने कहा कि अधिनियम, महिलाओं को सिर्फ लाभार्थी नहीं, बल्कि नीति निर्माण की प्रक्रिया में सशक्त भागीदार बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाले इस निर्णय से लोकतंत्र को अधिक समावेशी, संवेदनशील और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। सिंवर ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भूमिका को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने इसे सामाजिक बदलाव का आधार बताते हुए कहा कि महिला नेतृत्व ही विकसित भारत-2047 की मजबूत नींव रखेगा। विमला सिंवर ने कहा कि पिछले वर्षों में महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में बढ़ी है। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत करोड़ों महिलाओं के बैंक खाते खोले गए, जिससे वित्तीय समावेशन को मजबूती मिली। उन्होंने कहा कि प्रशासन और नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है। जब महिलाएं निर्णय लेने वाले पदों पर पहुंचेंगी, तभी समाज से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी बदलाव संभव होगा। सिंवर ने इस अधिनियम को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि इससे महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का नया अध्याय शुरू होगा।

संघर्ष से सफलता तक: रतिया के दीपांशु का नेशनल डिफेंस एकेडमी में चयन, स्कूल व क्षेत्र में खुशी की लहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

डीएवी स्कूल, नागपुर के कक्षा 10वीं के मेधावी छात्र दीपांशु ने प्रतिष्ठित नेशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। फतेहाबाद के रतिया क्षेत्र के मूल निवासी दीपांशु ने अपने पहले ही प्रयास में यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दीपांशु की यह सफलता संघर्ष, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की एक प्रेरणादायक कहानी है। करीब 10 वर्ष पूर्व अपने पिता को खोने के बाद, दीपांशु ने अपनी माता ममता रानी के अटूट सहयोग और विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन में पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अपनी एनडीए परीक्षा की तैयारी 9वीं कक्षा से ही शुरू कर दी थी, जिसमें उन्होंने कड़ी मेहनत की और विशेषकर ऑनलाइन माध्यम व यूट्यूब का सहारा लिया।

दीपांशु की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर डीएवी स्कूल, नागपुर में खुशी का माहौल है। प्रिंसीपल रंजू मेहता ने छात्र को मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा, दीपांशु विद्यालय की अनुशासनिक परंपरा और कड़ी मेहनत का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उसकी सफलता उसके संकल्प और माता-पिता के आशीर्वाद का परिणाम है। विद्यालय की वाइस प्रिंसीपल सुमित बाला एवं कोर्डिनेटर नेहा आहूजा ने भी दीपांशु को बधाई देते हुए कहा कि दीपांशु ने साबित कर दिया है कि यदि आपके इरादे बुलंद हों, तो कोई भी परिस्थिति आपको सफलता हासिल करने से नहीं रोक सकती। दीपांशु की यह उपलब्धि डीएवी स्कूल के अन्य छात्रों के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनेगी। संपूर्ण डीएवी परिवार दीपांशु के सुखद और राष्ट्र-समर्पित भविष्य के लिए प्रार्थना करता है।

मील का पत्थर

स्कूल के डायरेक्टर राकेश मेहता ने इसे विद्यालय के लिए एक बड़ा मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा, दीपांशु की सफलता हमें और बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। विद्यालय हमेशा अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास और उन्हें राष्ट्र की सेवा के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस गंभीर: एसपी

■ पुलिस अधीक्षक ने जन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने रविवार को कहा कि जन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए जिले में महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एसपी ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि राह चलती छात्राओं और महिलाओं पर अभद्र टिप्पणियां करने वाले तथा स्कूल, कॉलेज और कोचिंग सेंटरों के बाहर आवारागर्दी करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। एसपी ने बताया कि महिला थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि शहर के बाजारों, शिक्षण संस्थानों और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए। पुलिस को मिली शिकायतों के अनुसार कुछ युवक सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं और फब्तियां कसते हैं, जिससे आमजन, विशेषकर छात्राओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। पुलिस ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए महिला थाना पुलिस, दुर्गा शक्ति टीम, पीसीआर यूनिट, मोटरसाइकिल राइडर और पैदल गश्त करने वाले पुलिसकर्मियों को सक्रिय कर दिया है। सभी को निर्देश दिए गए हैं कि जिन क्षेत्रों में महिलाओं की आवाजाही अधिक रहती है, वहां विशेष गश्त बढ़ाई जाए। इसके साथ ही स्कूल और कॉलेज के खुलने व बंद होने के समय विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। पार्कों, बाजारों और कोचिंग सेंटरों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए। शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की नियमित जांच भी की जाएगी ताकि असामाजिक तत्वों की पहचान कर समय रहते कार्रवाई की जा सके।

प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

सिरसा। प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को प्रशिक्षित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण राजकीय मॉडल सांस्कृतिक स्कूल नाथूसरी चोपटा में संपन्न हुआ। नायब तहसीलदार लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को घर-घर जाकर सही एवं पूर्ण जानकारी एकत्रित करने, डिजिटल माध्यमों से डेटा संकलन, तथा नागरिकों की गोपनीयता बनाए रखने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। फील्ड ट्रेनर दलबीर सिंह ने कहा कि जनगणना देश की योजना निर्माण प्रक्रिया की आधारशिला है, जिसके आधार पर सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं आधारभूत सुविधाओं से संबंधित नीतियां तैयार करती है। अतः प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह जनगणना के दौरान सही एवं स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराए। जनजागरूकता अभियान के तहत विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा स्थानीय स्तर पर जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। आमजन से अपील की गई कि वे जनगणना कार्य में सहयोग करें।

बूथ स्तर तक मनाई जाएगी डॉ. आंबेडकर जयंती: ख्योवाली

■ जिलाध्यक्ष एडवोकेट यतींद्र सिंह के नेतृत्व में सिरसा जिले में व्यापक तैयारियां की जा रहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। मीडिया से रूबरू होते मक्खन सिंह ख्योवाली। फोटो : हरिभूमि

भारतीय जनता पार्टी सिरसा इकाई द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश महासचिव संयोजक मक्खन सिंह ख्योवाली ने मीडिया से रूबरू होकर बताया कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडोली द्वारा हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी के नेतृत्व में प्रदेश स्तर पर एक विशेष टोली का गठन किया गया है, जो पूरे प्रदेश में डॉ. आंबेडकर के 135वें जयंती समारोहों के सफल आयोजन के लिए व्यवस्थाओं की निगरानी करेगी। उन्होंने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट यतींद्र सिंह के नेतृत्व में सिरसा जिले में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। पार्टी का उद्देश्य इस दिवस को समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए इसे जन-जन तक पहुंचाना है। इस दौरान सिरसा भाजपा के महासचिव अंबर मेहता सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रमों के सुचारू संचालन हेतु जिला स्तर पर जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। सहसंयोजक के रूप में गणेश चांवरिया, अमरीक सिंह राही एवं सुनील बामनिया को अहम दायित्व सौंपे गए हैं। इसके अतिरिक्त विधानसभा स्तर पर संयोजक भी लगाए गए हैं, जो जिले के प्रत्येक बूथ पर कार्यक्रमों के समन्वय और अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल श्रद्धांजलि तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में एकता, समानता और भाईचारे को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी माध्यम है।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन, सुदामा-श्रीकृष्ण की मित्रता ने किया भाव-विभोर

भक्ति और भावनाओं में डूबा भूना, हवन यज्ञ और भव्य भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

■ परीक्षित मोक्ष प्रसंग से मिला भक्ति और सत्संग का संदेश

■ वृंदावन से आई साध्वी यमुना दीदी मां ने सुनाई भावपूर्ण कथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

गणेश कॉलोनी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का रविवार को श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में समापन हो गया। अंतिम दिन हवन-यज्ञ, भजन-कीर्तन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। वृंदावन से पधारी कथा व्यास साध्वी यमुना दीदी मां ने सातवें दिन कथा के मुख्य प्रसंगों में सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने सुदामा और भगवान श्रीकृष्ण की अटूट मित्रता को उदाहरण बनाते हुए भक्ति, त्याग और निःस्वार्थ प्रेम का संदेश दिया। कथा के दौरान बताया गया कि किस प्रकार सुदामा जी निर्धन अवस्था में द्वारका पहुंचते हैं और भगवान कृष्ण अपने मित्र को देखकर नंगे पैर दौड़कर गले लगाते हैं। उनके चरण धोकर सच्चे प्रेम और समर्पण का परिचय देते हैं। इस प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। इसके साथ ही परीक्षित मोक्ष प्रसंग में बताया गया कि शुकदेव जी महाराज द्वारा कथा श्रवण के बाद राजा परीक्षित के मन से मृत्यु का भय समाप्त हो जाता है और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस प्रसंग के माध्यम से जीवन में भक्ति और सत्संग के महत्व को समझाया गया। समापन अवसर पर हवन-यज्ञ, कलश विसर्जन और भगवान की आरती के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रसाद ग्रहण किया और कथा के सफल आयोजन के लिए आयोजकों का आभार जताया।

भूना। श्रीमद्भागवत कथा में भाग लेते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर लायंस क्लब के जोन चेयरमैन अशोक कत्याल, जुगल किशोर ढींगड़ा, पूजा कत्याल, श्यामलाल बंसल, पीडी शर्मा, अजय मेहता, वीरेंद्र शर्मा, चंद्र प्रकाश बोस्ती, राजेश जांगड़ा, अनिल सोनी, बलवान गोदारा, सतपाल शर्मा, दलबीर सिंह, लक्ष्मी नारायण, इंदिरा शर्मा, सुमित्रा शर्मा, सुनीति आर्या, चंद्रभान मेहता, राजेश बरवालिया, विक्की शर्मा, मास्टर जयपाल सिंह, धर्मबीर सिंह, कृष्ण गुप्ता, संदीप गोयल, सोनू, सुधीर यादव, सागर मेहता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

रूपाणा की सरोज ने पास की यूजीसी नेट परीक्षा

चोपटा। गांव रूपाणा निवासी छात्रा सरोज ने यूजीसी नेट परीक्षा को सफलतापूर्वक क्वालिफाई कर लिया है। सरोज की इस सफलता को लेकर कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें विशेष रूप से बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर कॉलेज संचालक राजेश कुमार, डायरेक्टर वेद प्रकाश गुप्ता, प्रिंसिपल डॉ. कृष्ण लाल गुप्ता सहित इतिहास विभाग के सभी प्राध्यापक एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने छात्रा सरोज तथा उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं।

शाह सतनाम जी गर्ल्स कॉलेज का शानदार प्रदर्शन

सिरसा। शाह सतनाम जी गर्ल्स कॉलेज ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का परचम लहराया है। चौधरी देवीलाल विवि द्वारा घोषित बैचलर ऑफ आर्ट्स के पांचवें सेमेस्टर के परिणाम में कॉलेज की छात्राओं ने विश्वविद्यालय की मेरिट सूची के टॉप-10 के सभी स्थानों पर कब्जा किया है। डॉ. गीता मोंगा ने बताया कि इस परीक्षा परिणाम में संस्थान की छात्रा परिनाज ने 400 में से 340 अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा तिशा ने द्वितीय, मोनिका ने तृतीय, सिमरन कुमारी चौथा, स्वाती ने 77.25 प्रतिशत के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया।

मधुमक्खी पालन पर 75 से 85 प्रतिशत तक अनुदान

सिरसा। सिरसा। प्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि के साथ-साथ सहायक व्यवसायों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उद्यान विभाग द्वारा मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। विभाग की इस योजना के तहत किसानों को मधुमक्खी पालन से जुड़े विभिन्न उपकरणों और इकाइयों पर 75 से 85 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। योजना के अंतर्गत मधुमक्खी बक्सों पर प्रति बक्सा 2,250 रुपये की लागत निर्धारित की गई है, जिस पर किसानों को लगभग 1,707.59 रुपये प्रति बक्सा अनुदान मिलेगा। इस योजना में अधिकतम 50 बक्सों तक अनुदान का लाभ लिया जा सकता है। इसके अलावा, 8 फ्रेम वाली मधुमक्खी कॉलोनी के लिए प्रति कॉलोनी 2,000 रुपये की लागत तय की गई है। इस पर किसानों को करीब 1,700 रुपये प्रति कॉलोनी अनुदान दिया जाएगा।

फरवरी व मार्च में विभाग ने 2.93 करोड़ रुपये के बिलों की रिकवरी की

1. 27 करोड़ का पानी पी गए शहरवासी नहीं भरा बिल, 11 हजार लोगों को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर के लोगों ने पीने के पानी की खपत तो कर ली, लेकिन पब्लिक हेल्थ विभाग को बिल का पैसा जमा नहीं करवा रहे हैं। कई उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने 10 से 20 वर्ष से पानी का बिल जमा नहीं करवाया है। यह पैसा लगातार बिलों में जुड़ता जा रहा है और इसका ब्याज भी लग रहा है। लोगों पर विभाग के 27 करोड़ रुपए बकाया हैं। अब विभाग ने बकाया बिल की राशि वसूलने के लिए जिले के 11 हजार लोगों को नोटिस जारी किए हैं। फरवरी व मार्च में विभाग ने 2.93 करोड़ रुपए बिलों की रिकवरी की है। इसमें 2.29 करोड़ पानी सप्लाई व 64.27 लाख सीवरेज बिलों का पैसा रिकवर हुआ है। अब सरकार ने डिफाल्टर उपभोक्ताओं के लिए पेनल्टी माफ़ी योजना लाई है। जिसके तहत 31 दिसंबर 2025 तक के बकाया बिलों पर 100 प्रतिशत पेनल्टी माफ करने की घोषणा की है। डिफाल्टर उपभोक्ता को 31 मई 2026 तक अपना पूरा बकाया और वर्तमान बिल जमा करना होगा।

बता दें कि फतेहाबाद जिला के तीन बड़े शहरों रतिया, टोहाना व फतेहाबाद में रोजाना करीब 3 लाख लोग 5 करोड़ लीटर से ज्यादा पानी की खपत कर रहे हैं। पब्लिक हेल्थ प्रति व्यक्ति 155 लीटर पानी सप्लाई कर रहा है। साढ़े 4 करोड़ लीटर नहरी और 50 लाख लीटर पानी 100 से ज्यादा ट्यूबवेल से सप्लाई होता है। शहर में पीने के पानी के 34 हजार और सीवरेज के 29,311 कनेक्शन चल रहे हैं। फतेहाबाद शहर में खैरातीखेड़ा रोड पर नहरी पानी आधारित 22 एमएलडी का डब्ल्यूटीपी है। इसके अलावा 6 एमएलडी पानी ट्यूब्वैलों के जरिए सप्लाई किया जाता है।

फतेहाबाद। खैरातीखेड़ा रोड स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट। फोटो : हरिभूमि

31 मई तक बकाया भरे तो सरचार्ज होगा माफ

हरियाणा सरकार ने पानी और सीवरेज बिलों पर लगने वाली पेनल्टी के नियमों में बदलाव किया है। सरकार ने 31 दिसंबर 2025 तक के बकाया बिलों पर 100 प्रतिशत पेनल्टी माफ़ करने की घोषणा की है। इसके लिए उपभोक्ताओं को 31 मई 2026 तक अपना पूरा बकाया और वर्तमान बिल जमा करना होगा। जिले के तीन शहरों पर करीब 27 करोड़ रुपये का पानी बिल बकाया है। इसमें फतेहाबाद पर सबसे अधिक करीब 12 करोड़ रुपये, टोहाना पर 7.50 करोड़ और रतिया पर 5.50 करोड़ बकाया है। अधिकारियों का कहना है कि निर्धारित तिथि तक भुगतान नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें पानी कनेक्शन काटना भी शामिल है। जनस्वास्थ्य विभाग बकाया वसूली के लिए इन शहरों में डोर-टू-डोर अभियान चलाएगा और मुनादी भी करवाई जाएगी। पारदर्शिता बढ़ाने और राजस्व संग्रह को मजबूत करने के लिए मीटरयुक्त कनेक्शन को अनिवार्य कर दिया गया है।

बिल न भरा तो कटेंगे कनेक्शन

पब्लिक हेल्थ फतेहाबाद के जिला सलाहाकार शर्माचंद लाली के अनुसार पानी व सीवरेज के बिलों की बकाया राशि जमा न करवाने वाले उपभोक्ताओं को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। ऐसे उपभोक्ताओं से 27 करोड़ की राशि रिकवर की जानी है। अवैध कनेक्शन भी विभाग की ओर से से काटे जा रहे हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार फतेहाबाद जिला में पानी और सीवरेज के अवैध कनेक्शन चल रहे हैं। इन लोगों ने बिना विभाग की अनुमति के खुद ही कनेक्शन कर लिए हैं। विभाग ने अब ऐसे उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ऐसे लोगों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

1550 में मिलेगा नया कनेक्शन

पानी व सीवरेज का नया कनेक्शन लेने के लिए 11,946 बजाए अब 1550 रुपए ही देने होते हैं। इसमें पानी कनेक्शन के लिए 1000, सीवरेज कनेक्शन की 500 व मीटर टेस्टिंग की 50 रुपए फीस शामिल है। जन स्वास्थ्य विभाग के सलाहकार शर्मा चंद लाली ने बताया कि नया कनेक्शन लेने के लिए रजिस्ट्री जरूरी है। जिनके घरों में पानी का मीटर लगा है उनसे प्रति माह 60 रुपए बिल लिया जाता है। जिनके घर मीटर नहीं लगा उनसे फ्लैट 120 रुपए प्रति माह लिए जाते हैं। वहीं, व्यावसायिक कनेक्शन पर प्रति माह 125 रुपए और फ्लैट रेट 1250 रुपए प्रति माह लिया जाता है।

भाजपा ने महिला सशक्तिकरण को दी नई दिशा: दुग्गल

सुभाष खिलेरी ने थामा भाजपा का दामन, पूर्व सांसद ने किया स्वागत

फतेहाबाद। सुभाष खिलेरी का स्वागत करते पूर्व सांसद व पार्टी जिलाध्यक्ष।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 देश में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

लोकसभा, राज्यसभा व विधानसभा में महिलाओं को मिलेगा आरक्षण

यह संवैधानिक संशोधन लोकसभा, राज्य विधानसभाओं एवं दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों का आरक्षण सुनिश्चित करता है। पूर्व सांसद रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, मार्केट कमेटी फतेहाबाद के वाइस चेयरमैन इन्द्र गावड़ी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी सुभाष खिलेरी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर राजनीतिक क्षेत्र में नई पारी की शुरुआत की। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने सुभाष खिलेरी को पार्टी का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया और उन्हें पार्टी की नीतियों व विचारधारा से जुड़कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

भागीदारी उल्लेखनीय

पूर्व सांसद ने बताया कि पिछले एक दशक में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के उत्थान के लिए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बड़ी संख्या में घर महिलाओं के नाम किए गए हैं, मुद्रा योजना के अधिकांश ऋण महिलाओं को दिए गए हैं तथा स्टैंड-अप इंडिया योजना में भी महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं ने महिलाओं के जीवन स्तर में व्यापक सुधार किया है। मातृ मृत्यु दर में कमी, महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र तथा 26 सप्ताह के मातृत्व अवकाश जैसे निर्णय महिलाओं के स्वास्थ्य और आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूत कर रहे हैं।

ट्रस्ट ने सैकड़ों विद्यार्थियों को वितरित की पुस्तकें

ज्योतिबा फूले जयंती पर सरसाईनाथ बुक बैंक ने मनाया पुस्तक वितरण समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

ज्योतिबा फुले की जयंती पर श्री गोशाला में रविवार को बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक का प्रथम पुस्तक वितरण समारोह आयोजित किया गया। ट्रस्ट के महासचिव प्रेम कंदोई ने बताया ट्रस्ट की सभी पदाधिकारियों ने महात्मा ज्योतिबा फुले की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए गए। ट्रस्ट के अध्यक्ष गुरदीप सैनी ने विद्यार्थियों से कहा कि बुक बैंक पिछले 5 वर्षों के दौरान 15 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित कर चुका है जिसमें पाठ्य पुस्तकों के सेट, निशुल्क चश्मा, स्टेशनरी, स्कूल शूज, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें वितरित की गई हैं। सहसचिव अनिल सैनी व संगठन सचिव नवीन सिंगला ने बताया कि रविवार को कक्षा आठवीं से लेकर 12वीं कक्षा के 105 विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों के सेट तथा 15 विद्यार्थियों को निशुल्क चश्मे के साथ-साथ चार विद्यार्थियों को स्टेशनरी, दो विद्यार्थियों को एसएससी सीजीएल परीक्षा तैयारी की पुस्तकें, चार विद्यार्थियों को यूपीएससी की तैयारी की पुस्तक व नोट्स और एक विद्यार्थी को नीट की परीक्षा तैयारी के लिए नोट्स व सामग्री उपलब्ध करवाई गई।

सिरसा। बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक में जरुरतमंदों को पुस्तक वितरित करते।

गुमटसर एकेडमी में एथलेटिक्स प्रतियोगिता संपन्न मयंक, अरहम, सुखमन और कनिका बने बेस्ट प्लेयर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

गुमटसर स्पोर्ट्स टैलेंट लाइव ट्रस्ट द्वारा गुमटसर एकेडमी के खेल मैदान में रविवार को एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस खेल उत्सव में बच्चों और युवाओं ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि मोनिका ग्रोवर और हरदीप कौर जटाना ने किया। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। कोच हरदीप सिंह बोला ने बताया कि रस्साकसी, थ्रो बॉल, शॉटपुट और रेस जैसी विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गई। ओपन कैटेगरी लड़कों के वर्ग के शॉटपुट में मयंक प्रथम, दक्ष द्वितीय, ईशरीत औलख तृतीय, 800 मीटर रेस में मयंक, लक्ष्य व शुभम शर्मा, टायर पुश में हरदीप सैनी, बवनदीप व गुरनूर गिनी, लॉन्ग जंप में युवराज सिंह, दलीप वोहरा और अरहम जैन, पांच किमी वॉक रेस में अरहम जैन, हैप्पी गुज्जर तथा दिशान, बैक थ्रो में कबीर बोला, सहजमीत बोला व गुरवीर कमाना क्रमश प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। लड़कियों की ओपन कैटेगरी के शॉटपुट में सुखमन कौर, अशिमता व प्रीत कौर, 200 मीटर रेस में सुखमन कौर, गीता व कोमल रानी, लॉन्ग जंप में कनिका, रीता व रुपिन्द्र कौर, तीन किमी वॉक रेस में यशिका, पावनी व रमनदीप कौर पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रही। शानदार प्रदर्शन करने पर मयंक और अरहम जैन को लडक़ों में व लड़कियों में सुखमन कौर व कनिका को बेस्ट प्लेयर का अवार्ड दिया गया।

- लड़कों की शॉटपुट प्रतियोगिता में दक्ष द्वितीय

रतिया। रस्साकसी प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

खुद की बुराई से जीतना सबसे बड़ी चुनौती: एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। रविवार को पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने उन आठ युवाओं से मुलाकात की, जिन्होंने दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर नशे को पूरी तरह त्याग दिया है। एसपी ने इन युवाओं के संघर्ष की सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए मिसाल बताया।

- एसपी ने नशे की दलदल से निकले युवाओं से की मुलाकात

मुलाकात के दौरान भरपूर निवासी विनोद कुमार ने बताया कि वह पिछले 12 वर्षों से मेडिकल नशे की गिरफ्त में था, जिससे उसका परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से टूट चुका था। गांव भूंदड़वास के गुरविन्द्र सिंह ने साझा किया कि 8-9 साल तक चिट्टे और मेडिकल नशे के कारण वह अपने परिवार से पूरी तरह कट गया था। एसपी ने कहा कि खुद की बुराई से जीतना सबसे बड़ी चुनौती होती है। उन्होंने कहा कि नशे को छोडऩे का फैसला न केवल उनके स्वयं के लिए बल्कि उनके परिवारों के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी जरूरी था।

फतेहाबाद। नशा छोडऩे वाले युवाओं को हौंसला बढ़ाते एसपी निकिता खट्टर।

खाबड़ कलां के प्रदीप केंद्रीय सचिवालय में सहायक सेक्शन अधिकारी नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

- 22 साल की उम्र में हासिल की बड़ी उपलब्धि

सफलता किसी की बपौती नहीं होती, इसे कड़ी मेहनत और अटूट संकल्प से हासिल किया जाता है। इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है भट्टू खंड के गांव खाबड़ कलां के होनहार युवा प्रदीप गोदारा ने। प्रदीप का चयन केंद्रीय सचिवालय में सहायक सेक्शन अधिकारी के पद पर हुआ है। महज 22 वर्ष की आयु में इस प्रतिष्ठित पद पर चयनित होकर प्रदीप ने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। प्रदीप की इस शानदार उपलब्धि की सूचना मिलते ही गांव खाबड़ कलां में खुशी की लहर दौड़ गई। उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रदीप ने यह साबित कर दिया कि यदि प्रतिभा और लगन हो, तो संसाधनों की कमी कभी आड़े नहीं आती। परिजनों ने मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। प्रदीप एक सैन्य और पुलिस पृष्ठभूमि वाले परिवार से ताल्लुक रखते हैं।

रामचंद्र बने व्यापार प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी की संगठनात्मक बैठक स्थानीय अनाज मंडी स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में आयोजित की गई। इस बैठक में संगठन की मजबूती, विस्तार और समाज हित के कार्यों को गति देने पर विशेष चर्चा की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता महिला जिला अध्यक्षा डॉ. सुमन बजाज और जिला महासचिव परम अरोड़ा ने की। संगठन को और अधिक प्रभावी और सक्रिय बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अध्यक्ष साहिब दयाल वधवा के दिशा-निर्देशों एवं प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश चुघ के साथ विचार-विमर्श के बाद जिला फतेहाबाद कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। नई नियुक्तियों के तहत रामचंद्र सेठी को व्यापार प्रकोष्ठ का जिला उपाध्यक्ष और ऋषभ चुघ को यूथ विंग का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी कड़ी में विजय मक्कड़ को जिला व्यापार प्रकोष्ठ का वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य, कशिश असीजा को यूथ विंग का कार्यकारिणी सदस्य और मीना खनेजा को विधानसभा कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते पदाधिकारी।

रतिया में स्नैचिंग की वारदातों का पर्दाफाश पुलिस ने तीन झपटमारों को किया गिरफ्तार

रतिया। पत्रकारों से बातचीत करते डीएसपी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

- सीआईए ने आरोपियों के पास से मोटरसाइकिल व नकदी की बरामद

सीआईए फतेहाबाद और रतिया की टीमों ने क्षेत्र में हुई स्नैचिंग की दो बड़ी वारदातों को सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और छीनी गई नकदी बरामद कर ली गई है। डीएसपी संजय कुमार ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि पहली कामयाबी सीआईए फतेहाबाद को मिली, जिसने ब्राह्मणवाला निवासी योद्धा सिंह और संदीप सिंह को काबू किया। इन दोनों ने 3 अप्रैल को रतिया के नवीन कुमार से एक बैग छीना था, जिसमें 25 हजार रुपये थे। पुलिस ने इनके पास से मोटरसाइकिल और 16 हजार रुपये बरामद कर लिए हैं। वहीं, दूसरी कार्रवाई में सीआईए रतिया ने मलवाला निवासी मनजीत सिंह उर्फ मन्नू को गिरफ्तार किया है। उस पर 9 अप्रैल को एक बुजुर्ग से सोने का कड़ा छीनने का आरोप है।

जयंती पर सीडीएलयू में सम्मान समारोह, युवाओं से प्रेरणा लेने का आह्वान

आंबेडकर और ज्योतिबा ने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ उठाई आवाज

दोनो महान विभूतियों के संघर्षों और सामाजिक संदेशों पर डाला प्रकाश, प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

डॉ. भीमराव आंबेडकर एवं महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जयंती के उपलक्ष्य पर चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के सभागार में डॉ. अंबेडकर स्टूडेंट फ्रंट ऑफ इंडिया के तत्वावधान में छात्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि हिसार की मंडलायुक्त डॉ. गीता भारती और सीडीएलयू के कुलपति डॉ. विजय कुमार शामिल हुए। वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर एवं ज्योतिबा फुले के जीवन, उनके संघर्षों एवं उनके द्वारा दिए गए सामाजिक संदेशों पर प्रकाश डाला। डॉ. गीता भारती कहा कि दोनों महान विभूतियों ने समाज में व्याप्त भेदभाव, असमानता एवं कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई और शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को उनके विचारों से प्रेरणा लेकर समाज में समानता एवं भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए। सामाजिक समरसता, महिला शिक्षा तथा वंचित वर्गों के उत्थान के लिए उनके योगदान को विस्तार से बताया। कुलगुरू डॉ. विजय कुमार ने बाबा साहेब के सपनों को पूरा करने का युवाओं से आह्वान किया और सगठन की मांगों को पूरा करने की घोषणा की। डॉ. अभिषेक सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम युवा में नई ऊर्जा और लगन के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित होने पर बधाई दी। इस अवसर पर कमलजीत सिंह, डॉ. दिव्य ज्योति सिंह, ललित जैन, प्रिंसिपल मंजू, दलबीर सिंह घोटड़, हार्दिक चौहान, गार्गी, संजीव, बामल कुमार, देवीलाल भाटिया, डॉ. प्रमोद कुमार मेहरा, सुभाष चंद्र, विनोद, प्रिंस, राकेश, आशीष आदि मौजूद थे।

सिरसा। मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

फतेहाबाद में 14 अप्रैल को धूमधाम से मनाई

फतेहाबाद। भारत रत्न और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती को लेकर फतेहाबाद के अंबेडकर चौक पर 14 अप्रैल को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। अंबेडकर सभा फतेहाबाद और जिला निवासियों के सहयोग से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर सभा के पदाधिकारियों ने एक महत्वपूर्ण बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

अंबेडकर सभा के प्रधान रामकिशन बौद्ध की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 14 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे अंबेडकर चौक पर जयंती समारोह का शुभारंभ होगा। इस दौरान समाज सुधारक बाबा साहेब को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी और उनके द्वारा दिए गए समानता, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, रजाबाद के सरपंच गुरभेज सिंह रंधावा और हिजरावां कलां के सरपंच करण सिंह विशेष रूप से शिरकत करेंगे। सभा के पदाधिकारियों ने जिले के अधिक से अधिक नागरिकों से इस कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है ताकि समाज के शोषित, वंचित और दलितों के मसीहा के विचारों को और अधिक मजबूती दी जा सके। इस बैठक में सीाा के सचिव हवा सिंह, कैशियर चिरंजी लाल, उपप्रधान विंद्रेश कुमार, दौलतराम, मास्टर सतबीर, उदय सिंह, अजीत और सेवानिवृत्त एएसआई राजकुमार सहित कई अन्य सदस्यों ने भी हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव साझा किए।